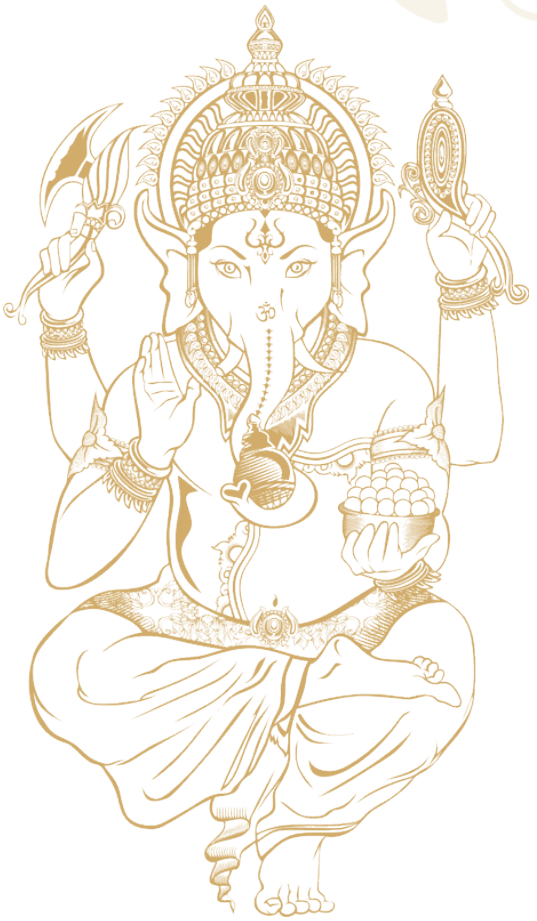

Suraj Parchi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120882603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/03/1997	जन्म तिथि	25/07/2003
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 12:45:00	जन्म समय	14:30:00 घंटे
घटी 17:15:59	जन्म समय(घटी)	23:04:59 घटी
India	देश	India
Deoria	स्थान	Kanpur
26:31:00 उत्तर	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
83:48:00 पूर्व	रेखांश	80:41:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:05:12	स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:36	सूर्योदय	05:28:34
18:09:40	सूर्यास्त	18:58:33
23:49:06	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 3वर्ष 3मा 10दि		03:18:45	कर्क	लग्न	वृश्चि	06:05:47	चन्द्र 0वर्ष 5मा 24दि	
बुध		13:50:01	मीन	सूर्य	कर्क	08:07:26	राहु	
08/07/2019		00:36:04	वृश्चि	चंद्र	वृष	22:41:19	17/01/2011	
08/07/2036		28:45:54	सिंह व	मंगल	कुंभ	16:07:36	17/01/2029	
बुध	04/12/2021	29:29:40	मीन	बुध	कर्क	27:52:15	राहु	30/09/2013
केतु	01/12/2022	20:31:16	मक	गुरु	कर्क	28:57:47	गुरु	23/02/2016
शुक्र	01/10/2025	12:29:32	मीन	शुक्र	कर्क	01:24:34	शनि	30/12/2018
सूर्य	07/08/2026	16:06:04	मीन	शनि	मिथु	12:39:49	बुध	19/07/2021
चन्द्र	07/01/2028	04:53:27	कन्या व	राहु व	वृष	03:37:31	केतु	06/08/2022
मंगल	03/01/2029	04:53:27	मीन व	केतु व	वृश्चि	03:37:31	शुक्र	06/08/2025
राहु	23/07/2031	14:00:08	मक	हर्ष व	कुंभ	08:03:46	सूर्य	01/07/2026
गुरु	28/10/2033	05:48:42	मक	नेप व	मक	18:09:37	चन्द्र	30/12/2027
शनि	08/07/2036	11:40:28	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	23:38:21	मंगल	17/01/2029

लग्न-चलित

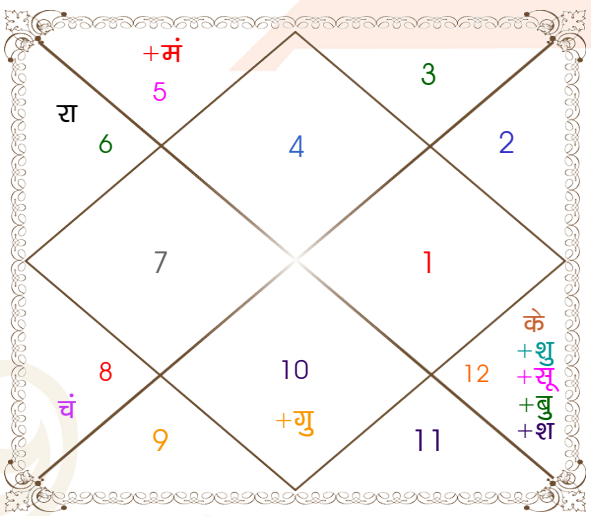

लग्न-चलित

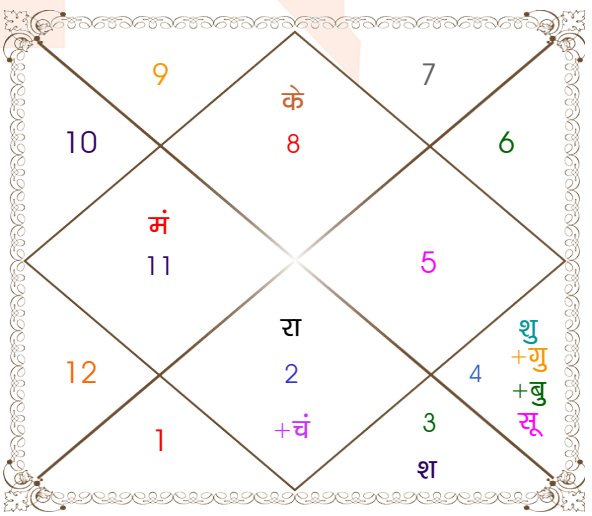

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Parchi का नक्षत्र रोहिणी है।

ैनतंर का वर्ग सर्प है तथा Parchi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसारैनतंर और Parchi का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ैनतंर मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Parchi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहुैनतंर कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ैनतंर तथा Parchi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।